हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार 25 जून 2026

11 पूर्व जिला पार्षद ने समाधान शिविर में सौंपी...

12 अंधड़ से पेड़ व बिजली के गिरे पोल, सड़क हुई अवरुद्ध...

खबर संक्षेप

हनी ट्रैप में फंसाकर 5 लाख ठगने वाला काबू

भिवानी। शहर थाना पुलिस ने हैनी ट्रैप में फंसाने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया हे। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देवेंद्र निवासी हिसार ने थाना शहर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह ठेकेदारी का कार्य करता है। 16 अक्तूबर को उसके व्हाट्सएप नंबर पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया, जिसने अपना नाम प्रिया बताया। इसके बाद दोनों के बीच व्हाट्सएप पर बातचीत होने लगी। 22 अक्तूबर को शिकायतकर्ता को चरखी दादरी जाना था, लेकिन उसने प्रिया को भिवानी मिलने के लिए कहा। उसी दिन शिकायतकर्ता बस स्टैंड भिवानी पर प्रिया से मिला। प्रिया ने अपनी स्कूटी शिकायतकर्ता की गाड़ी के आगे लगाकर उसे हनुमान ढाणी स्थित एक मकान पर ले गई।

वाहन स्क्रैपिंग का ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी

भिवानी। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा ने बताया कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), नई दिल्ली के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत एंड ऑफ लाइफ व्हीकल (ईएलवी) से संबंधित सभी वाहन उत्पादकों तथा पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं (आरवीएसएफ) के लिए ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कार्यरत सभी वाहन निर्माता एवं पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाएं सीपीसीबी द्वारा संचालित ईपीआर-ईएलवी पोर्टल पर अपना पंजीकरण शीघ्र सुनिश्चित करें।

चैनत गांव में टी हटाने की कड़े शब्दों में निंदा

तोशाम। चैनत गांव में आधी रात को गांववासियों पर आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज कर प्रशासन द्वारा ही लगाई गई टी को गांववासियों का दमन करते हुए टी हटाने की अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा राज्य कमेटी ने कड़े शब्दों में निंदा की है और प्रशासन से ग्रामीणों की मांगों को हल करने और झूठे मुकदमें रद्द करने की मांग की है। प्रैस को जारी बयान में किसान सभा तोशाम प्रधान कर्ण सिंह और नरेंद्र सिंह सचिव तोशाम व जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने संयुक्त तौर पर कहा कि पिछले लगभग डेढ़ महीने से चैनत गांव के लोग पीने के पानी की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन पर हैं।

आठ घंटे हाड़-तोड़ मेहनत के बदले में सिर्फ 7 हजार का मजाक : राजबाला

मांगों को लेकर मिड डे मील वर्कर्स सड़कों पर, शहर में किया प्रदर्शन

उपायुक्त कार्यालय तक मार्च निकाला और मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से एक मांग पत्र सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

मांगों को लेकर बुधवार को मिड-डे-मील कार्यकर्ता यूनियन के सदस्यों ने शहर में जुलूस निकाला। सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। 7 हजार रुपये में दम तोड़ने वाली व्यवस्था बंद करो, शोषण मुक्त रोजगार दो और हमें बंधुआ मजदूर समझना बंद करो जैसे गगनभेदी नारों के साथ बुधवार को भिवानी की सडक्रें अपनी जायज मांगों के लिए लड़ रही महिलाओं के आक्रोश से गूंज उठीं। मिड-डे-मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा (संबद्ध एआईयूटीयूसी व स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया) के बैनर तले हजारों मिड-डे-मील कार्यकर्ताओं ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर शहर में एक विशाल और ऐतिहासिक रोष प्रदर्शन किया। नेहरू पार्क में एकत्रित होने के बाद आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए जिला उपायुक्त कार्यालय तक मार्च निकाला और मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से एक मांग पत्र सौंपा।

■ वक्ताओं ने सरकार की दमनकारी नीतियों पर तीखे प्रहार किए

भिवानी। मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

12 महीने के काम पर सिर्फ 10 महीने का वेतन

यूनियन की राज्य प्रधान राजबाला की अध्यक्षता में हुई सभा को संबोधित करते हुए श्रमिक नेताओं और यूनियन पदाधिकारियों का गुस्सा फूट पड़ा। वक्ताओं ने सरकार की दमनकारी और शोषक नीतियों पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि 12 महीने के काम पर सिर्फ 10 महीने का वेतन क्यों। यूनियन की महासचिव कुसुम पांचाल ने सरकार के दोहरे रवैये को उजागर करते हुए कहा कि हम सुबह स्कूल खुलने से लेकर बंद होने तक लगातार 8 घंटे काम करती हैं। लेकिन इस कमरतोड़ महंगाई के दौर में हमें मात्र 7000 रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है। हद तो यह है कि बाकी सरकारी अमले को 12 महीने की सैलरी मिलती है, जबकि हमारा ग्रीष्मकालीन अवकाश का वेतन काटकर सिर्फ 10 महीने का मानदेय दिया जाता है। यह सरासर अन्याय और भेदभाव है।

सरकार को जमकर कोसा

यूनियन की महासचिव कुसुम पांचाल समेत कई वर्करों को झूठे आरोपों में नौकरी से निकाल दिया गया है, जिसे लेकर कार्यकर्ताओं में भारी रोष है। एआईयूटीयूसी के राज्य प्रधान कामरेड राजेन्द्र सिंह ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने खुद राज्य में 15 हजार 220 रुपये का न्यूनतम वेतन घोषित किया है, लेकिन इन गरीब महिलाओं को उससे भी महरूम रखा गया है। सरकार इन्हें स्वयंसेवक का टैग देकर खुद सबसे बड़ी शोषक बन बैठी है। इन्हें न तो पेंशन मिलती है, न भविष्य निधि, न ग्रेच्युटी और न ही चिकित्सा सुरक्षा। कहा कि यदि सरकार ने उनकी ज्वलंत मांगों पर जल्द ही कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया, तो इस आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसी रणनीति के तहत आगामी 25 अक्टूबर को रोहतक में राज्य स्तरीय महापंचायत बुलाई गई है।

भिवानी। मांगों को लेकर अधिकारी को मांगपत्र सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

मांगों को लेकर डीईईओ से मिला शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल

भिवानी। बुधवार को राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी की मीटिंग जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी भिवानी विनय कुमार जिंदल के साथ जिला प्रधान भूपेंद्र चाहर की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन जिला महासचिव सुमित शर्मा ने किया। जिला प्रैस प्रवक्ता अनिल सांगवान ने बताया कि एसआईआरकार्य के लिए शिक्षकों पर प्रशासन द्वारा बनाये जा रहे अनावश्यक दबाव पर विरोध जताया गया बच्चों के दोपहर भोजन का हरियाणा एग्रो के ठेकेदारों के माध्यम से बहुत ही निम्न श्रेणी का राशन सप्लाई किया जा रहा है जिस पर संगठन द्वारा विरोध जताया गया और बताया कि एचएआइसीएम हरियाणा एग्रो किसी प्रकार का उत्पादन नही करती है जबकि हरियाणा सरकार के एक उपक्रम वीटा द्वारा तैयार सामान उच्च कोटी का है इसलिए वीटा द्वारा सप्लाई की जानी चाहिए। इसके बावजूद यदि निम्न श्रेणी की सप्लाई बंद नही की गई तो इसका डटकर विरोध किया जायेगा। इसके साथ-साथ मिड डे मील राशि के अव्यवहारिक वितरण पर भी एतराज जताया गया। भिवानी खंड से संदीप ढोचक व बहल खंड से राजेश पुनिया ने बताया कि अध्यापकों से कई प्रकार के गैर शैक्षणिक कार्य लिए जा रहे हैं जिससे बच्चों की शिक्षा व स्कूल के कार्य प्रभावित होते है ।सभी प्राथमिक विद्यालय एकलपारी मे या सुबह की शिफ्ट मे करने आदि समस्याओ पर उच्च अधिकारियो से विचार विमर्श करने का आश्वासन दिया ।इस अवसर पर अरुण ढिल्लों,संदीप कुमार,सुमित शर्मा, राजेश कुमार,अनिल कुमार आदि रहे।

भिवानी। मांगों को लेकर आयोजित द्वार सभा में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए।

मांगों को लेकर बोर्ड कर्मचारियों ने की नारेबाजी

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के परिसर में बुधवार को कर्मचारी संगठन संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर सभी कर्मचारी भोजनावकाश के दौरान एकजुट हुए। इस दौरान बोर्ड परिसर के मुख्य द्वार पर एक द्वार सभा का आयोजन किया गया, जिसका संचालन संगठन के महासचिव सोमबीर पूनिया ने किया तथा अध्यक्षता प्रधान सत्यवीर स्वामी द्वारा की गई। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और रोष प्रकट किया। मंच का संचालन कर रहे महासचिव सोमबीर पूनिया ने वर्तमान सरकार और बोर्ड प्रशासन पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार केवल चेहरे बदलने का काम कर रही है, लेकिन धरातल पर व्यवस्था में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई नहीं दे रहा है। प्रशासन कर्मचारियों के लिए बनी कल्याणकारी नीतियों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि संगठन की जायज मांगें सुनने की बजाय कार्यालय आदेशों के नाम पर ऊल-जूलूल और तानाशाही फरमान जारी किए जा रहे हैं।

भिवानी। मंत्री के आवास पर मांगपत्र सोंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

चार जुलाई को सिंचाई मंत्री आवास के घेराव की तैयारी में जुटे कर्मचारी

भिवानी। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन रजिस्टर्ड नंबर 41 संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ की जिला कमेटी की बैठक बुधवार को महम रोड स्थित बड़ चौक पर यूनियन कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान अनिल बागड़ी द्वारा की गई, जबकि मंच का संचालन जिला सचिव सोमबीर पालवास ने किया। इस बैठक में सरकार और विभाग के अड़ियल व उदासीन रवैये के खिलाफ कर्मचारियों ने भारी रोष प्रकट किया और आंदोलन का बिगुल फूंक दिया। बैठक में मुख्य रूप से आने वाली 4 जुलाई को सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के भिवानी स्थित आवास पर संगठन द्वारा किए जाने वाले विरोध प्रदर्शन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सरकार के झूठे आश्वासनों के खिलाफ अब आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इसी संदर्भ में बुधवार को ही सिंचाई मंत्री के आवास पर एक आधिकारिक ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें साफ तौर पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस मौके पर यूनियन के जिला प्रधान अनिल बागड़ी व जिला सचिव सोमबीर पालुवास ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री के साथ नवंबर 2025 में हमारे संगठन की उच्च स्तरीय बैठक हुई थी।

बवानीखेड़ा। हांसी चुंगी के समीप ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से लगी आग।

बवानीखेड़ा में ट्रैक्टर पलटने से लगी आग

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में हांसी चुंगी के समीप टैैक्टर-ट्राली पलटने से वाहन चालक व उसका सहयोगी घायल हो गए। वहीं वाहन में आग लग गई। वाहन पर सवार दोनों व्यक्तियों को बवानी खेड़ा के नागरिक अस्पताल लाया गया जहां हालत गंभीर होने के चलते उन्हें भिवानी रेफर कर दिया। बताया जाता है कि राजस्थान निवासी 38 वर्षीय सुरेन्द्र व 26 वर्षीय ललित अपने ट्रैक्टर-ट्राली पर सवार होकर भिवानी की तरफ जा रहे थे और हांसी चुंगी के समीप पहुंचने पर वाहन में आग लग गई और लोगों ने इसकी सूचना अग्निशमन को दी और घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। अगर बात की जाए तो जहां हादसा हुआ उसके चंद कदमों की दूरी पर अग्निशमन का भवन है लेकिन इसकी ऑपनिंग नहीं हुई जिसके चलते यहां कोई गाड़ी उपलब्ध नहीं है। यदि गाड़ी होती तो तुरंत आग पर काबू पाया जा सकता था। बवानीखेड़ा नागरिक अस्पताल के डॉ. विपुल कुमार ने बताया कि राजस्थान निवासी 38 वर्षीय सुरेन्द्र व 26 वर्षीय ललित घायल अवस्था में आए जिनका प्राथमिक उपचार किया गया।

मामले की शिकायत सीएम और उच्चाधिकारियों से करेंगे

सड़क पर ब्लॉक लगाने में अनियमितता का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

कस्बे के बहल भिवानी मैंन रोड पर चल रहे सड़क साइड ब्लॉक लगाने के काम में भारी अनियमितता बरती जा रही है। ब्लॉक लगाने के बनाए जाने वाले बेड मे रोड़ों के साथ मिट्टी भरी जा रही है, जो कार्य नियम के अनुरूप नहीं है। पर, विभाग के अधिकारी इस लापरवाही को मानने को तैयार नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि यह मिट्टी नहीं स्क्रीनिंग है, जो रोड़ी के साथ डालना जरूरी होता है। जबकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारी मौके पर नहीं आ रहे है। मौके पर आए तो पता चले कि काम में कैसी लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस जगह मिट्टी डाली गई वो बारिश आने पर बह जाएगी और रोड में जगह जगह गडढ़े बन जाएंगे जो आगे चल कर परेशानी का कारण बनेगा। लोगो ने कहा कि ठेकेदार ने करीब चार दिन पहले मैंन बाजार में सड़क किनारे ब्लॉक लगाने के लिए जेसीबी से खुदाई की थी। लेकिन, उसके बाद इसे इसी हालत में छोड़ दिया। जिससे मैंन रोड के दुकानदारों का काम प्रभावित हुआ है। अब जब काम शुरू हुआ तो इसे महज खानापूर्ति करके पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। लोगों ने कहा कि या तो काम को सही नियमों के अनुरूप किया जाए अन्यथा वो मामले की शिकायत प्रदेश के सीएम और उच्चाधिकारियों को करेंगे।

बहल। सड़क किनारे ब्लॉक लगाने के काम में रोडो के साथ डाली जा रही मिट्टी।

क्या कहते है अधिकारी

पीडब्ल्यूडी के जेई वतन सिंह ने बताया कि सड़क किनारे ब्लॉक लगाने के काम में रोडो के साथ स्क्रीनिंग मिलाकर डाली जा रही है, जो जरूरी होती है। अगर मिट्टी डाली जा रही है तो उसका निरीक्षण किया जाएगा।

चरखीदादरी। अवैध निर्माण को गिराती जेसीबी फोटो : हरिभूमि

अवैध निर्माणों पर चला पीला पंजा

चरखी दादरी। जिला नगर योजनाकार कार्यालय द्वारा भैरवी गांव के क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर पीला पंजा चलाया। शहरी क्षेत्र/नियंत्रित क्षेत्र में अवैध कालोनी/निर्माणों पर कार्यवाही करते हुए जिला नगर योजनाकार अंजु व डयूटी मजिस्ट्रेट कार्यकारी अभियंता दहबिविनि व पुलिसबल के साथ अवैध कालोनी में छह निर्माणों एवं कच्चे रोड नेटवर्क को तोड़ दिया, जहां पर लगभग आठ एकड़ में अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। जिला नगर योजनाकार ने अपील की कि कोई भी नागरिक अवैध कॉलोनियों में प्रोपर्टी डीलरों के बहकावे में आकर प्लाट न खरीदें। अनुसूचित सडकों एवं बाई पास की वर्जित पट्टी में किसी भी तरह का निर्माण न करें। नियंत्रित क्षेत्र में कोई भी निर्माण करने से पूर्व विभाग से अनुमति लेना सुनिश्चित करें। अवैध निर्माणकर्ताओं के खिलाफ विभागीय कार्यवाही नियमानुसार अमल में लाई जाएगी। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस को जिला नगर योजनाकार कार्यालय चरखी दादरी में संपर्क कर सकते हैं।

आरोप कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोगों के मौलिक अधिकारों को कुचलने का काम किया

आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार, देश कभी नहीं भूलेगा वह काला अध्याय : घनश्याम सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ ने बुधवार को बाग कोठी स्थित अपने कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए 25 जून 1975 को कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सत्ता बचाने के लिए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का गला घोंटने का काम किया था। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि आपातकाल के दौरान देशभर में विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र की आवाज उठाने वाले लाखों लोगों को जेलों में डाल दिया गया था। प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया तथा आम नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली गई। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई से अवगत कराना आवश्यक है ताकि भविष्य में कोई भी सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान के साथ खिलवाड़ करने का साहस न कर सके।

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते विधायक घनश्याम सर्राफ। फोटो : हरिभूमि

प्रधानमंत्री कर रहे लोकतंत्र की रक्षा

विधायक सर्राफ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समय-समय पर आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को याद करती रहेगी। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा भाजपा लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विशाल जीत सिंह, जिला मीडिया प्रमुख राकेश मिश्रा व जिला मीडिया सह प्रमुख नितिन भारद्वाज भी मौजूद रहे।

एसआईआर कार्य को बीएलओ से ऑनलाइन करवाना जरूरी : संदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

एसडीएम कम 58-तोशाम विधान सभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) संदीप कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 की समीक्षा बैठक एसडीएम में आयोजित हुई। एसडीएमने बैठक में एईआरओ, सुपरवाइजरों व बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को पुनरीक्षण कार्य कीबूथ वाइज समीक्षा करके निर्देश दिए कि वे एसआईआर का कार्य पूरी गंभीरता, निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी से आंन लाइन जरूर करें। निर्वाचन आयोग के निर्देशों अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने एईआरओ, सुपरवाईजर व बीएलओ को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है, इसलिए पुनरीक्षण कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा किसी भी योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से न काटा जाए। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करें और निर्धारित समयावधि में कार्य को पूरा करें।ओ को फार्म के वितरण, संग्रहण, ऑनलाइन अपडेशन अथवा अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की तकनीकी अथवा व्यवहारिक कठिनाई आती है, तो संबंधित सुपरवाइजर तत्काल एसडीएम /ईआरओ. कार्यालय में अवगत करवाए। ऐसी स्थिति में ईआरओ कार्यालय की सहायता टीम, जिसमें श्री मोहित, श्री सचिन एवं श्री दीपक शामिल हैं,आवश्यकतानुसार संबंधित क्षेत्र का दौरा कर बीएलओ एवं सुपरवाइजर को मौके पर तकनीकी एवं प्रशासनिक सहायता प्रदान करेगी तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगी समीक्षा बैठक में भिवानी विधानसभा क्षेत्र से सभी सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी कम नायब तहसीलदार अशोक कुमार, खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार, सरपंच राजेश तंवर, मोहित, सचिन सहित सभी सुपरवाईजर व बीएलओ मौजूद रहे।

हेल्थ क्वेस्ट
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

कुछ समयांतराल पर जब बार-बार हो फीवर

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले एक हफ्ते से शाम ढलते ही मुझे ठंड के साथ बुखार आ जाता है। दवा लेने पर ठीक हो जाता है, लेकिन अगली शाम फिर ऐसा होता है। कृपया बताएं इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-आशुतोष, रायपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपको रोज शाम को बुखार आ जाता है और दवा लेने के बाद ठीक हो जाता है। इससे ऐसा लग रहा है कि आपको टाइफाइड हो सकता है, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। टाइफाइड को ही मियादी बुखार बोलते हैं, जो एक तय समय पर आता है और उतर जाता है। बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे जांच करके यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि फीवर होने का कारण क्या है, और फिर उसके बाद ट्रीटमेंट ठीक से हो सकेगा।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी जीभ पर अकसर फफोले निकल आते हैं, जिससे खाने-पीने में काफी तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इसे होने से कैसे रोका जा सकता है?

-मनीष, बलौदा बाजार

कई बार इस तरह की समस्याएं अधिक गर्म खाना खाने से होती हैं, अगर ऐसा आप कर रहे हैं तो उसमें बदलाव करें और अधिक गर्म खाना ना खाएं। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच करने के बाद कारण के बारे में बता पाएंगे। फिलहाल आप अधिक मिर्च-मसाले वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। 10-15 दिन के अंतराल पर मुझे लूज मोशन या वॉमिटिंग होती है। जिससे काफी कमजोरी महसूस होती रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-हरीश, महेंद्रगढ़

जैसा आप बता रहे हैं, इससे लगता है कि आपको डाइजेशन की समस्या है। इसलिए सबसे पहले आप खान-पान में सुधार करें। अधिक तेल और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। साथ ही साफ पानी पिएं। कई बार बाहर का पानी पीने से भी इंफेक्शन हो जाता है, जिससे इस तरह की समस्याएं दिखती है। आप घर से निकलते समय पानी की बोतल लेकर निकलें। इस तरह बदलाव से आपको आराम मिल सकता है। अगर फिर भी आराम ना मिले तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मेरी गर्दन और कंधे पर बार-बार दाद निकल आता है। इसमें काफी ईचिंग होती है। प्लीज बताएं कि इससे कैसे निजात मिलेगी?

-सौरभ, बिलासपुर

जिन लोगों को अधिक पसीना निकलता है और देर तक सूख नहीं पाता है, उनको इस तरह की समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको जहां इचिंग होती है, उस हिस्से में लगातार पसीना पोंछते रहना चाहिए, क्योंकि पसीने की नमी में फंगल इंफेक्शन से ही दाद होती है, जिससे खुजली शुरू होती है। अधिक दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर ऑइंटमेंट लिखवा लें, इससे आराम जल्दी से मिल जाएगा।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में आयरन और विटामिन डी कम है, जबकि विटामिन बी 12 और कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। इसकी क्या वजह हो सकती है? ऐसे में मुझे कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-कुलदीप, दुर्ग

विटामिन-डी की कमी शहरों में रहने वाले लोगों को अधिक होती है, क्योंकि उनका धूप में एक्सपोजर कम होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको विटामिन-डी और बी-12 की दवा लेनी चाहिए। साथ ही आप बता रहे हैं कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और आयरन कम है। बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे आपको इसकी मेडिसिन बता देंगे। साथ में डाइटिशियन से भी आपको संपर्क कर लेना चाहिए, वो आपका डाइट चार्ट तैयार कर देंगे, जिसके अनुसार आप डाइट लेंगे तो भविष्य में विटामिन-डी, बी-12 और आयरन बैलेंस रहेंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. नवदीप सिंह
प्रिंसिपल-इंडस कॉलेज ऑफ नर्सिंग खांडा खेड़ी, हिसार

हाल के वर्षों में यंग और मिड एज की महिलाओं में पीएमओएस (पूर्व नाम पीसीओएस) की समस्या काफी देखने को मिल रही है। हालांकि इसके पीछे कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अनबैलेंस्ड लाइफस्टाइल की वजह से यह समस्या ज्यादा बढ़ती है। ऐसे में इससे ग्रस्त महिलाओं को बिना चिंता और डर के इसके स्पेशलिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए, ताकि इसे कंट्रोल किया जा सके। इस बारे में यहां दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सही ट्रीटमेंट-बैलेंस्ड लाइफस्टाइल से पीएमओएस को कर सकते हैं कंट्रोल

बहुसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम, जिसे पहले पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के नाम से जाना जाता था, अब वैश्विक सहमति के बाद आधिकारिक रूप से पॉलिएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीएमओएस) कहलाया जा रहा है। यह नाम परिवर्तन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि यह स्थिति केवल ओवरी की सिस्ट तक सीमित नहीं, बल्कि बहुग्रंथि (पॉलिएंडोक्राइन) हार्मोनल असंतुलन और व्यापक मेटाबॉलिक गड़बड़ी से जुड़ी लॉन्ग पीरियड बीमारी है।

काफी महिलाएं होती हैं प्रभावित

पीएमओएस आज प्रजनन-आयु की महिलाओं में सर्वाधिक पाए जाने वाले हार्मोनल और मेटाबॉलिक रोगों में प्रमुख माना जा रहा है। उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि विश्व-स्तर पर लगभग हर आठ में से एक महिला इससे प्रभावित हो सकती है, जबकि भारतीय अध्ययनों में इसका प्रचलन कई समुदायों में लगभग 3.7 से 22.5 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से गंभीर चेतावनी है।

ऐसे होता है डायग्नोज

2023 की अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य आधारित पीएमओएस गाइडलाइन के अनुसार इस स्वास्थ्य समस्या के निदान के लिए अनियमित या अनुपस्थित ओवुलेशन, एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता के लक्षण तथा अल्ट्रासाउंड में स्पेसिफिक ओवरी इमेज, इन तीन में से कम से कम दो क्राइटेरिया की उपस्थिति आवश्यक मानी जाती है, बशर्ते अन्य कारणों को वैज्ञानिक रूप से जांच कर उन्हें अलग कर दिया गया हो। पीएमओएस को अब केवल एक स्त्री रोग नहीं, बल्कि व्यापक मेटाबॉलिक स्थिति के रूप में स्वीकार किया जा रहा है, जो टाइप 2 डायबिटीज, हाई बीपी, हृदय रोग, फैटी लिवर और कुछ विशिष्ट कैंसरों के बढ़े रिस्क से भी जुड़ी है।

रोग होने के कारण

पीएमओएस के लगातार बढ़ते मामलों के पीछे आनुवंशिक प्रवृत्ति और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसे जैविक कारणों के साथ-साथ आधुनिक जीवनशैली की अनेक अस्वास्थ्यकर आदतें भी जिम्मेदार हैं। इंसुलिन रेजिस्टेंस को पीएमओएस की रोग जनन प्रक्रिया का मेन फैक्टर माना जाता है, जो सामान्य बॉडी मास इंडेक्स (नॉर्मल बीएमआई) वाली महिलाओं में भी पाया जा सकता है। मोटापे और पेट की अधिक चर्बी से यह और अधिक गंभीर हो जाता है। तीव्र शहरीकरण, शारीरिक गतिविधि में कमी, एनर्जीफुल और शुगर रिच डाइट, फास्ट फूड हैबिट, कार्यस्थल और पारिवारिक तनाव, देर रात तक जागने की आदत और अपर्याप्त नींद लेने जैसे कारण, भारतीय शहरी और अर्ध शहरी युवतियों में पीएमओएस होने की आशंका को और बढ़ा रहे हैं।

रोग का उपचार

मेडिकली पीएमओएस का पर्मानेंट ट्रीटमेंट अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन इसमें संदेह नहीं है कि समुचित मेडिसिनल ट्रीटमेंट और डिसिप्लींड लाइफस्टाइल के माध्यम से इसे प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। अधिकांश महिलाएं प्रॉपर लाइफ मैनेजमेंट के साथ नॉर्मल लाइफ जी सकती हैं और मातृत्व सुख भी प्राप्त कर सकती हैं।

ट्रीटमेंट प्रोसीजर

पीएमओएस के ट्रीटमेंट का प्रोसीजर हमेशा व्यक्तिगत होना चाहिए। इसमें पेशेंट की आयु, उसके प्रमुख लक्षण, मेटाबॉलिक रिस्क और प्रेग्नेंसी की इच्छा जैसे प्वाइंट्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पीरियड्स को नियमित करने और एंड्रोजन स्तर को नियंत्रित करने के लिए हार्मोनल गर्भनिरोधी मेडिसिंस या प्रोजेस्टिन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और वेट मैनेजमेंट के लिए मेटफॉर्मिन समूह की दवाएं, अनचाहे बाल और मुंहासों के लिए एंटी एंड्रोजन और त्वचा संबंधी उपचार, प्रेग्नेंसी की इच्छा होने पर ओवुलेशन प्रेरित करने वाली दवाएं और आवश्यकता पड़ने पर सहायक रिप्रोडक्शन तकनीक जैसे आज के समय में कई ऑप्शंस उपलब्ध हैं। इन सभी का प्रयोग केवल योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ या एंडोक्राइनोलॉजिस्ट की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

प्रभावी है लाइफस्टाइल मैनेजमेंट

इंटरनेशनल गाइडलाइंस में लाइफस्टाइल मैनेजमेंट यानी जीवनशैली प्रबंधन में विशेष रूप से डाइट, फिजिकल एक्टिविटी और व्यावहारिक परिवर्तन को पीएमओएस का फर्स्ट लेवल ट्रीटमेंट माना गया है। खासकर तब जब पेशेंट का बॉडी वेट सामान्य से अधिक हो। एविडेंस बेस्ड स्टडीज से यह स्पष्ट है कि ओवर बॉडी वेट में मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से भी पीरियड्स की रेग्युलेरिटी, नॉर्मल ओवुलेशन, इंसुलिन सेंसिटिविटी और लिपिड प्रोफाइल में महत्वपूर्ण सुधार प्राप्त किया जा सकता है।

बैलेंस्ड डाइट है लाभकारी

बैलेंस्ड, हाई फाइबर और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला डाइट, जिसमें साबुत अनाज, दालें, ताजी सब्जियां, विभिन्न फल, मेवे (ड्राय फ्रूट्स), बीज और स्वस्थ असंतृप्त वसा (हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) शामिल हों, पीएमओएस कंट्रोल करने में विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है, जबकि रिफाइंड मैदा, अत्यधिक चीनीयुक्त खाद्य पदार्थ, मीठे पेय, तले-भुने और प्रोसेस्ड फूड्स, इंसुलिन रेजिस्टेंस और निम्न स्तरीय सूजन को बढ़ाते हैं।

महत्वपूर्ण हैं फिजिकल एक्टिविटीज

नियमित शारीरिक गतिविधि, पीएमओएस के लगभग सभी क्लीनिकली रिलेटेड इश्यूज जैसे- बॉडी वेट, पेट की चर्बी, इंसुलिन रेजिस्टेंस, ब्लड प्रेशर, कार्डियो मेटाबॉलिक रिस्क और मेंटल हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। उपलब्ध मेटा विश्लेषण, प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मीडियम से फास्ट एरोबिक वर्कआउट के साथ सप्ताह में दो या अधिक दिन प्रतिरोधात्मक (रेजिस्टेंस) व्यायाम की सिफारिश करते हैं। संरचित, पर्यवेक्षित व्यायाम कार्यक्रमों (स्ट्रक्चर्ड, सुपरवाइज्ड एक्सरसाइज प्रोग्राम) और उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण (एचआईआईटी) ने कमर की माप, इंसुलिन सेंसिटिविटी और कार्डियो रेस्पिरेट्री फिटनेस में विशेष लाभ दिखाए हैं।

समग्र रूप से पीएमओएस, 'होल पर्सन केयर' की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिसमें जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सभी आयामों को समन्वित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके लिए डॉक्टर्स, नर्सेज और एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स को सहानुभूतिपूर्ण परामर्श के माध्यम से यह संदेश देना चाहिए कि पीएमओएस किसी व्यक्तिगत गलती का परिणाम नहीं है। यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करने वाली मेडिकल कंडीशन है, जिसे मैनेज-कंट्रोल किया जा सकता है। यदि पेशेंट को समय पर, सही ट्रीटमेंट दी जाए और उसके साथ संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी उपायों को अपनाया जाए तो पीएमओएस के अधिकांश नेगेटिव प्रभावों को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है। *

मेंटल-इमोशनल हेल्थ का रखें ध्यान

आहार और व्यायाम के अतिरिक्त मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य (मेंटल-इमोशनल हेल्थ) पर ध्यान देना भी पीएमओएस (होल पर्सन केयर) प्रबंधन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। तुलनात्मक अध्ययनों में पीएमओएस से प्रभावित महिलाओं में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (स्ट्रेस), विकृत भोजन आचरण (बैड फूड हैबिट) और नेगेटिव बॉडी इमेज की दर, सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक पाई गई है। इससे उपचार अनुपालन तथा जीवन गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। योग, प्राणायाम, ध्यान और संज्ञानात्मक व्यावहारिक उपचार (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) जैसे तरीके तनाव घटाने, नींद सुधारने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। हालांकि उनके रुटीन क्लीनिकल प्रैक्टिस में स्थान को डिफाइन करने के लिए, हाई क्वालिटी रिसर्च की आवश्यकता बनी हुई है।

फिटनेस
संध्या सिंह

इन दिनों के लिए परफेक्ट फिटनेस मंत्रा

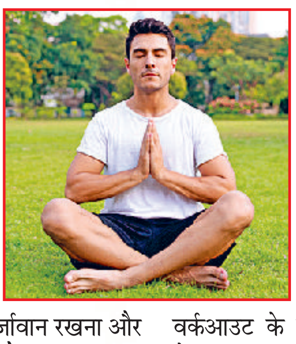

जून महीने के इन अंतिम दिनों में जब जमकर बारिश शुरू नहीं हुई है और वातावरण में उमस भरी बेचैन करने वाली गर्मी है, ऐसे में अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सूर्योदय के समय से कुछ देर बाद तक हल्की शारीरिक गतिविधि करें। दिन के समय हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पीएं। दोपहर 11 से 4 बजे के बीच ज्यादा देर तक लगातार धूप में न रहें।

इन दिनों अगर आप यहां बताए जा रहे नियमों का पालन करें तो पूरी तरह से फिट रह सकते हैं। यह नियम न केवल गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाता है बल्कि पूरी तरह से फिट और एक्टिव रखता है। इन दिनों अगर आप सर्दियों जैसी ही हैवी एक्सरसाइज जारी रखते हैं तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है, लगातार थकान बनी रहती है, चक्कर आने लगते हैं, मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए इस मौसम में फिटनेस का अर्थ केवल कैलोरी बर्न करना नहीं बल्कि शरीर को ठंडा रखना, ऊर्जावान रखना और सुरक्षित रखना भी होता है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सुबह जल्दी व्यायाम करें: इन दिनों बेहतर है कि आप सुबह पांच बजे व्यायाम के लिए तैयार हो जाएं और साढ़े छ-सात बजे तक व्यायाम पूरा कर लें। इस समय तापमान कम तो रहता ही है, शरीर पर अतिरिक्त दबाव भी नहीं पड़ता। इस दौरान तेजगति से चलना, कुछ आसन, प्राणायाम, हल्की स्ट्रेचिंग और साइकिलिंग फिट रहने के लिए पर्याप्त व्यायाम हैं। इस मौसम में भारी जिम वर्कआउट के बजाय कुछ आसन करना बेहतर विकल्प होता है। खास तौर पर ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, शीतली और शीतकारी प्राणायाम इन दिनों शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखते हुए ठंडक प्रदान करते हैं।

पीते रहें पानी: दिन के समय प्यास लगने का इंतजार न करें बल्कि हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पिएं। सादा पानी, नीबू पानी, छाछ, नारियल पानी, बेल या सत्तू का शर्बत इन दिनों शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाकर रखते हैं।

हल्का आहार: इस मौसम में फिटनेस बनाए रखने के लिए आहार भी हल्का लेना चाहिए। इसलिए खीरा, ककड़ी, खरबूजा, लौकी, तोरी और दही का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इन दिनों तले हुए, ज्यादा मसाले वाले और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। *

अवेयरनेस
डॉ. मोलिशा भंडारी
डर्मेटोलॉजिस्ट, पेसिफिक वन हेल्थ हॉस्पिटल, नई दिल्ली

विटिलिगो एक प्रकार की ऑटोइम्यून डिजीज है, जिसमें स्किन कलर को कंट्रोल करने वाले मेलेनोसाइट्स नष्ट होने लगते हैं। इससे व्हाइट स्पॉट्स दिखने लगते हैं। **वर्ल्ड विटिलिगो डे (25 जून)** के अवसर पर जानिए, इससे जुड़ी बहुत इंपॉर्टेंट इंफॉर्मेशंस।

विटिलिगो को कर सकते हैं कंट्रोल

विटिलिगो को सफेद दाग या ल्यूकोडर्मा भी कहते हैं। यह ऐसी बीमारी है, जिसमें त्वचा की रंगत चली जाती है, जिससे सफेद धब्बे बन जाते हैं। विटिलिगो को ऑटोइम्यून बीमारी माना जाता है, जिसका आशय है कि यह समस्या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा त्वचा की मेलेनोसाइट्स पर हमला करने के कारण होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह तब होता है, जब त्वचा में मेलेनिन नामक पिगमेंट बनाने वाली कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं।

क्या हैं कारण: विटिलिगो के होने का सटीक कारण अज्ञात है। लेकिन कुछ फैक्टर्स इससे रिलेटेड हो सकते हैं।

आनुवंशिक कारक: ऐसे लोगों में विटिलिगो होने की संभावना अधिक होती है, जिनके परिवार में विटिलिगो हो चुका है।

तनाव: कुछ मामलों में अत्यधिक तनाव विटिलिगो को ट्रिगर कर सकता है या इसे और बदतर बना सकता है।

अन्य बीमारियां: थायरॉइड संबंधी समस्याएं, टाइप 1 डायबिटीज और एडिसन रोग आदि भी विटिलिगो की समस्या बढ़ा सकते हैं या उत्पन्न कर सकते हैं।

प्रमुख लक्षण: त्वचा पर सफेद या हल्के रंग के धब्बे शरीर के किसी भी भाग पर हो सकते हैं। आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथों और पैरों पर सफेद धब्बे अधिक दिखाई देते हैं। धब्बे आमतौर पर शरीर के दोनों तरफ दिखाई देते हैं। त्वचा का रंग पैच में बदल जाता है। ऐसे लक्षण दिखने पर डर्मेटोलॉजिस्ट से मिलें।

इलाज के बारे में: विटिलिगो का स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन विभिन्न उपचार विधियों से इस त्वचा रोग को नियंत्रित व प्रबंधित किया जा सकता है, जिनसे त्वचा के रंग को वापस लाया जा सकता है। विटिलिगो के उपचार के विकल्पों में शामिल हैं-

टॉपिकल उपचार: विशेषज्ञ डॉक्टर आमतौर पर टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' या नॉन-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसेंट आदि से उपचार शुरू करते हैं। टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' दवाएं सूजन को कम करने और त्वचा के रंग को वापस लाने में मदद करती हैं। वहीं गैर-स्टेरॉयडल दवाएं, लंबे समय तक उपयोग के लिए बेहतर होती हैं, क्योंकि स्टेरॉयड्स की तुलना में उनके कम दुष्प्रभाव होते हैं, खासकर बच्चों के लिए या शरीर के संवेदनशील भागों के उपचार में।

फोटोथेरेपी: इस थेरेपी के अंतर्गत विशेष प्रकाश किरणों का उपयोग करके त्वचा के विकारों या खामियों को दूर किया जाता है।

दवाएं: अतीत में उपचार के विकल्प काफी कम थे, लेकिन अब ओरल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स से लेकर नए गैर-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसिव और इम्यूनोमॉड्युलेटरी दवाओं की लॉन्ग रेंज दवाएं उपलब्ध हैं। दवा का चयन पूरी तरह से त्वचा रोग विशेषज्ञ पर निर्भर करता है। इन दवाओं को नियमित रूप से लेना जरूरी है।

सर्जिकल प्रोसेस: अनेक मामलों में सर्जरी का उपयोग किया जा सकता है, जहां अन्य उपचार असरदार नहीं होते। स्थिर विटिलिगो वाले मरीजों के लिए, पंच ग्राफ्टिंग, सक्शन ब्लिस्टर ग्राफ्टिंग और एडवांस्ड नॉन-कल्चर्ड मेलेनोसाइट सस्पेंशन तकनीक सहित कई सर्जिकल उपचार उपलब्ध हैं। ये सभी प्रोसेस काफी कारगर हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

गलतफहमियों से रहें दूर

मिथ: एक गंभीर बीमारी है विटिलिगो।
तथ्य: विटिलिगो गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन यह व्यक्ति के शारीरिक सौंदर्य को प्रभावित कर सकती है।
मिथ: विटिलिगो एक संक्रामक रोग है।
तथ्य: विटिलिगो संक्रामक नहीं है। इस कारण यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।
मिथ: विटिलिगो कैंसर का कारण बनता है।
तथ्य: विटिलिगो का कैंसर से कोई संबंध नहीं है।
मिथ: विटिलिगो केवल गोरी त्वचा वाले लोगों को होता है।
तथ्य: विटिलिगो किसी भी उम्र या किसी भी रंग की त्वचा वाले व्यक्ति को हो सकता है।

प्रिकॉशन
डॉ. मोनिका शर्मा

केवल डायबिटीज के पेशेंट्स ही नहीं कई हेल्थ कॉन्शस लोग भी आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का इस्तेमाल करने लगे हैं। कई शुगरफ्री प्रोडक्ट्स में भी इनका यूज किया जा रहा है। लेकिन एक रिसर्च स्टडी में इसके अधिक सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया है।

हार्मफुल हो सकता है आर्टिफिशियल स्वीटनर

अब से कुछ समय पूर्व 'जर्नल फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन' में छपे चिली विश्वविद्यालय की प्रमुख शोधकर्ता फ्रांसिस्का कानचा सेल्यू के नेतृत्व में हुए शोध के परिणाम आर्टिफिशियल स्वीटनर्स के इस्तेमाल को लेकर चेताने वाले हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार समाज में आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का इस्तेमाल बढ़ने के बावजूद मोटापा और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी समस्याएं कम नहीं हो रही हैं। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं द्वारा हर पीढ़ी का 'ग्लूकोज ओरल टॉलरेंस टेस्ट' किया गया।

क्या कहती है रिसर्च: इस टेस्ट से डायबिटीज का एक चेतावनी संकेत माने जाने वाले इंसुलिन प्रतिरोध का पता चलता है। साथ ही आंतों के स्वास्थ्य से जुड़े माइक्रोबायोम और 'शॉर्ट चेन फैटी एसिड' के स्तर की जांच के परिणाम भी हैरान-परेशान करने वाले रहे। चूहों को लेकर किए गए इस अध्ययन में आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का असर अगली पीढ़ी तक देखा गया। अध्ययन में स्पष्ट रूप से देखा गया कि मां द्वारा आर्टिफिशियल स्वीटनर्स के सेवन से बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध और मेटाबॉलिज्म से जुड़ी बीमारियां विकसित हो सकती हैं। आंतों के स्वास्थ्य और जीन पर आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का बुरा असर पड़ा, जो कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ट्रांसफर हो गया। प्रमुख लेखिका फ्रांसिस्का कानचा स्पष्ट करती हैं कि इस अध्ययन का मतलब यह नहीं है कि सभी मेटाबॉलिक बीमारियों की इकलौती जड़ सिर्फ मिठाइयां या आर्टिफिशियल स्वीटनर हैं, लेकिन यह अध्ययन इस बात पर एक बड़ा सवाल जरूर उठाता है कि क्या ये 'शुगर-फ्री' विकल्प हमारे मेटाबॉलिज्म को उन तरीकों से नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिन्हें विज्ञान अभी तक पूरी तरह से समझ ही नहीं पाया है।

सवाल से जुड़ी सजगता: इस शोध अध्ययन से जुड़ा यह सवाल आम लोगों की सजगता से भी जुड़ा है। मीठे की जगह आर्टिफिशियल स्वीटनर इस्तेमाल करने को लेकर बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ा लाइफस्टाइल बदलाव, कहीं नुकसानदेह तो नहीं? वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की रिसर्च एजेंसी इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के अनुसार भी आर्टिफिशयल स्वीटनर यानी एस्पार्टेम, कैंसर का जोखिम पैदा कर सकता है। इसीलिए एस्पार्टेम, जिसे आम भाषा में शुगर-फ्री कहा जाता है, के इस्तेमाल में सजगता आवश्यक है, क्योंकि यह डाइट कोला, कोल्ड ड्रिंक्स, च्यूइंगम और कई तरह की शुगर-फ्री मिठास सभी में पाया जाता है। खासकर 95 प्रतिशत कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक में तो स्वीटनर के तौर पर एस्पार्टेम का ही उपयोग होता है। कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के अध्ययन से जुड़ी विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस एजेंसी ने नकली मिठास के इस्तेमाल के संभावित असर का आकलन करने के बाद लोगों को चेताया है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट में एस्पार्टेम के यूज को व्यक्तियों के लिए कैंसरकारी चीजों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। यही वजह है कि आर्टिफिशियल स्वीटनर्स को आम दिनचर्या में खान-पान का हिस्सा बनाना बेहद खतरनाक हो सकता है। शुरुआत में डायबिटीज जैसी कुछ समस्याओं के मरीजों को ही नकली मीठे के इस्तेमाल की सलाह दी गई थी, पर बहुत सारे पूरी तरह से फिट और एक्टिव लोग भी इनका इस्तेमाल करने लगे हैं। घर हो या बाहर आर्टिफिशियल स्वीटनर्स वाले फूड आइटम खाना या पीना उन्हें अपनी सेहत सहेजने का तरीका लगने लगा है। जरूरी है कि इनके सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत रहा जाए।

बेहतर विकल्प ढूंढ़े: कुछ समय पहले डब्लूएचओ ने अपनी गाइडलाइन में कहा था कि आर्टिफिशियल स्वीटनर का उपयोग हृदय रोग और डायबिटीज का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसीलिए जरूरी है कि इनके बेहतर विकल्प तलाशे जाएं। कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी, गन्ने का जूस, नीबू पानी आदि सेवन करने की आदत बनाना चाहिए। घरेलू कुकिंग में भी शुगर की जगह गुड़, शहद और खजूर जैसी चीजों का इस्तेमाल करना सही है। घर पर बने खाने को प्राथमिकता देना भी सेहत सहेजने वाला कदम है। *

खबर संक्षेप

रेल से कटकर दिव्यांग ने अपनी जीवन लीला खतम की

भिवानी । बीते दिवस देर शाम एक दिव्यांग युवक ने रेल से कट कर अपनी जीवन लीला खतम कर ली। रेलवे पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। रेलवे पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उनको सूचना मिली थी कि प्लेटफार्म एक के पास पुल के नीचे एक युवक का शव पड़ा है। वे मौके पर पहुंचे ओर देखा तो एक युवक की गर्दन अलग ओर धड़ अलग पड़ा हुआ था। जांच पड़ताल में युवक विकलांग मिला। रेलवे पुलिस ने वेंडरों की मदद से शव को वहां से निकाला और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया।जांच पड़ताल में पता चला कि मृतक युवक विकलांग था और बिहार का रहने वाला था। वह रेलगाडियों में भीख मांगने का काम करता था।

कष्ट निवारण समिति की बैठक 26 को

भिवानी । पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक 26 जून को आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मंत्री राजेश नागर करेंगे। ये जानकारी देते हुए नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक 26 जून को दोपहर बाद 2 बजे आयोजित होगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मंत्री राजेश नागर कष्ट निवारण समिति की बैठक में रखे जाने वाले परिवादों की सुनवाई करेंगे तथा उनके समाधान के लिए मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में सभी विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहेंगे, जिसको लेकर डीसी साहिल गुप्ता द्वारा निर्देश दिए जा चुके हैं।

इग्नू ने लांच किया एमएससी प्रोग्राम

चरखी दादरी। इग्नू ने मास्टर ऑफ़ साइंस क्लाइमेट चेंज प्रोग्राम शुरू करके भारत की पहली ओपन यूनिवर्सिटी बनने का एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। यह समय की सबसे जरूरी ग्लोबल चुनौतियों में से एक से निपटने की दिशा में एक अहम कदम है। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्मपाल ने बताया कि क्लाइमेट चेंज दुनिया भर में इकोसिस्टम, अर्थव्यवस्थाओं और इंसानी भलाई पर तेजी से असर डाल रहा है। सस्टेनेबल और मज़बूत समाधान विकसित करने में सक्षम ट्रेंड प्रोफेशनल्स की तत्काल जरूरत को समझते हुए।
इग्नू ने यह नया मल्टी-डिसिप्लिनरी प्रोग्राम डिज़ाइन किया है, जिसका मकसद सीखने वालों को क्लाइमेट साइंस, क्लाइमेट रिस्क, अनुकूलन और शमन रणनीतियों, पर्यावरण गवर्नेंस और सस्टेनेबल डेवलपमेंट की पूरी समझ देना है। यह प्रोग्राम क्लाइमेट चेंज और जल संसाधन, ऊर्जा प्रणालियाँ, कृषि, आपदा जोखिम में कमी, जैव विविधता, कचरा प्रबंधन, सर्कुलर इकोनॉमी, स्वास्थ्य, इकोसिस्टम बहाली, पर्यावरण कानून, गवर्नेंस और क्लाइमेट असेसमेंट टूल्स जैसे अहम विषयों पर जानकारी देता है। लक्ष्यों में योगदान करने के लिए ज़रूरी ज्ञान और कौशल से लैस करता है।

15 वर्षों से मुख्यमंत्री, सिंचाई मंत्री, वित्त मंत्री व विभाग के उच्चाधिकारियों के काट रहे चक्कर

पूर्व जिला पार्षद ने समाधान शिविर में सौंपी लिंक ड्रेन की शिकायत

- मुंढाल-तालु लिंक ड्रेन के गलत लेवल के कारण किसानों को हो रहा करोड़ों का नुकसान : ईश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

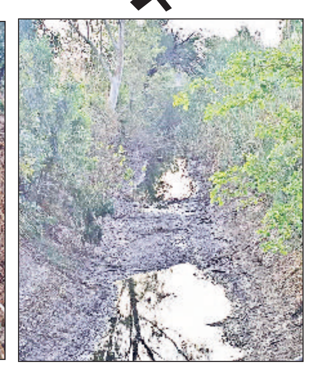
भिवानी। मुंढाल तालु लिंक ड्रेन में उगी झाड़ियां। *फोटो : हरिभूमि*

आदर्श गांव तालु और आसपास के किसानों की फसलें सिंचाई विभाग की कथित लापरवाही एवं प्रशासनिक उदासीनता के कारण पिछले डेढ़ दशक से लगातार बर्बाद हो रही हैं। मुंढाल-तालु लिंक ड्रेन का लेवल ठीक नहीं होने और इसकी अधूरी सफाई के कारण हर साल बारिश के मौसम में पानी खेतों, आबादी और स्कूलों में ओवरफ्लो हो जाता है। इस गंभीर समस्या को लेकर पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने एक बार फिर समाधान शिविर में उपायुक्त को पत्र सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। पूर्व जिला पार्षद मान ने कहा कि ड्रेन की समस्या को लेकर वह पिछले 15 वर्षों से लगातार मुख्यमंत्री, सिंचाई मंत्री, वित्त मंत्री व विभाग के उच्चाधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई एवं समाधान नहीं हो पा रहा। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त 2011 को एक्सईएन को पत्र लिखकर नाला ओवरफ्लो होने और गाद नहीं निकालने की शिकायत की थी। इसके बाद 27 फरवरी 2012 को तत्कालीन मुख्यमंत्री और सिंचाई मंत्री को मुंढाल-तालु लिंक ड्रेन का लेवल ठीक करवाने व पक्का करवाने के लिए मांग पत्र भेजा था, जिस पर मुख्यमंत्री ने समाधान का वादा भी किया था। इसके बाद 3 अक्टूबर 2022 को उप-मुख्यमंत्री को भी इस संबंध में लिखित शिकायत दी थी। मान का आरोप है कि इतने वर्षों में सरपंच, जिला पार्षद और नगर पार्षद स्तर पर बार-बार आवाज उठाने के बावजूद सिंचाई विभाग के मठाधीश कर्मचारियों व अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। पूर्व जिला पार्षद ने बताया कि इस समय ड्रेन बिल्कुल सूखी पड़ी है और काम करने का सबसे उपयुक्त समय है। ड्रेन में लगभग छह फुट के लेवल का अंतर है, जिसकी वजह से पानी का प्राकृतिक बहाव रूक जाता है और वह खेतों में बैक मारता है।

ड्रेन के गलत लेवल को तुरंत प्रभाव से ठीक करवाए जाने की उठाई मांग

उन्होंने मांग की कि ड्रेन के गलत लेवल को तुरंत प्रभाव से ठीक करवाया जाए, ताकि आने वाले समय में फसलों को बर्बादी से बचाया जा सके। वहीं ड्रेन का जो हिस्सा अभी भी कच्चा है, उसे तुरंत पक्का किया जाए। पूर्व जिला पार्षद ईश्वर ने चेतावनी दी कि इस बार भी लापरवाही बरती और ड्रेन का लेवल ठीक कर इसे पक्का नहीं किया तो पूरा आदर्श गांव तालु सामूहिक तौर पर बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।

भिवानी। जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते सीडब्ल्यूसी सदस्य व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

पॉक्सो एक्ट एवं पीड़ित सहायता योजना की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों के संरक्षण और उनके प्रति होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा ने एक और सराहनीय कदम उठाया है। विभाग के निर्देशानुसार जिला बाल संरक्षण इकाई के भिवानी कार्यालय द्वारा बुधवार को एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कानून के क्रियान्वयन को अधिक संवेदनशील और सुदृढ़ बनाना था। प्रशिक्षण की सीडब्ल्यूसी चेयरमैन अधिवक्ता प्रदीप सिंह तंवर ने की। कार्यक्रम के दौरान बाल संरक्षण से जुड़े संवेदनशील कानूनी प्रावधानों पर गहराई से चर्चा की। इस दौरान पॉक्सो एक्ट की बारीकियों को समझाने के अलावा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत पीड़ित बच्चों की देखभाल और सहायता के लिए योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अधिवक्ता शीला तंवर व अधिवक्ता देवेन्द्र तंवर ने उपस्थित सभी हितधारकों को कानूनी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। बाल सुरक्षा के इस महाअभियान में ज़मीनी स्तर पर काम करने वाले तमाम महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर्स ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करवाई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेंद्र कुमार, बाल कल्याण समिति सदस्य नीलम रानी, अधिवक्ता धीरज सैनी, सतेंद्र सिंह, दिनेश अत्री, सपोर्ट पर्सन लक्ष्मी, हेमलता, दीपाली व कपिल, संदीप व रिंकू आदि मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में गूंजा धर्म और भक्ति का संदेश

सृष्टि निर्माण से लेकर श्रीकृष्ण प्राकट्य तक का हुआ वर्णन

- वृंदावन से पधारे पं. मनीष कृष्ण ने लिया 108 श्रीमद् भागवत कथा व 108 गरीब कन्या विवाह का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा शहर के बाबा कमल मंदिर धर्मशाला में वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक पंडित मनीष कृष्ण के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का दिव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ जारी है। 21 जून से आरंभ हुई। यह सात दिवसीय कथा 27 जून तक चलेगी, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथावाचक पंडित मनीष कृष्ण ने बताया कि उन्होंने 108 श्रीमद् भागवत कथाओं के माध्यम से कन्याओं के विवाह करवाने का संकल्प लिया हुआ है। इसी कड़ी में बवानीखेड़ा में आयोजित यह 96वीं श्रीमद् भागवत कथा है। उन्होंने बताया कि अब तक 11 कन्याओं के विवाह संपन्न करवाए जा चुके हैं। यह संकल्प उन्होंने समाज कल्याण और जगत के मंगल की भावना से लिया है। 15 वर्षों से लोगों में भक्ति की जला रहे अलखबाबा कमल मंदिर धर्मशाला में वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक पंडित मनीष कृष्ण ने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से लोगों में भक्ति के प्रति जागरूक करते हुए भगवान में रमने की अलख जगाए हुए हैं। 2022 में उन्होंने उन्होंने 108 श्रीमद् भागवत कथाओं के माध्यम से 108 कन्याओं के विवाह करवाने का संकल्प लिया जिसमें साध संगत व समाजसेवियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।वहीं उन्होंने बताया कि दादू नगरी धर्म के प्रति आस्था और विश्वास रखती है जिसका नतीजा है कि रोजाना कथा में सैंकड़ों भक्तजन आकर कथा का लाभ ले रहे हैं।

सृष्टि की उत्पत्ति का किया वर्णन

कथा के चौथे दिन श्री ने सृष्टि निर्माण का विस्तृत वर्णन करते हुए मनु और शतरूपा की उत्पत्ति की कथा सुनाई। इसके साथ ही सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, भगवान के विभिन्न अवतारों की महिमा, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन रामकथा तथा भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य प्राकट्य का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए और पूरे पंडाल में जय श्री राम एवं राधे-राधे के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

छात्रों ने बीएलओ के साथ मिलकर एसआईआर के फॉर्म भरवाए

- स्कूल में बच्चों द्वारा लगाई गई हेल्प डेस्क का दृश्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सेवा धर्म सबसे बड़ा धर्म है और देश सेवा केवल सीमाओं पर रहकर ही नहीं, बल्कि अपने गांव और समाज में रहकर भी की जा सकती है।/" यह विचार बदलाव की पाठशाला के सदस्य एवं शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय घुसकानी में आयोजित सामाजिक सेवा कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। बदलाव की पाठशाला के तत्वावधान में विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से एसआईआर अभियान के अंतर्गत मतदाताओं के फॉर्म भरवाने, वर्ष 2002 की मतदाता सूची ऑनलाइन निकालने तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित कार्यों में ग्रामीणों की सहायता की गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने पूरी लगन, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ ग्रामीणों का सहयोग कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। विनोद पिंकू ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। सेवा भाव से आपसी भाईचारा मजबूत होता है तथा समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद की सहायता करने से जो आत्मिक संतोष प्राप्त होता है, वह अमूल्य है। कार्यक्रम में दसवीं कक्षा की छात्राओं रितु, कविता, लक्ष्मी, प्रिया, निशा एवं कोमल तथा नवमी कक्षा की छात्राओं मुस्कान, सालू, सीनू, खुशी, खुशबू, तनु एवं संजना ने ग्रामीणों के फॉर्म भरवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्राओं ने भविष्य में भी घर-घर जाकर ग्रामीणों एवं मतदाताओं की सहायता करने का संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

तोशाम में बरसाती पानी निकासी के लिए सिवरेज व्यवस्था में नहीं रहने दें कोई कमी : एसडीएम

तोशाम एसडीएम संदीप कुमार ने कहा कि तोशाम में बरसाती पानी निकासी के लिए सिवरेज व्यवस्था में कोई कमी ना रहने दें। कस्बे में सिवरेज और ड्रेनेज के जरिये गंदे पानी निकासी का स्थाई समाधान करें। एसडीएम संदीप कुमार बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में तोशाम कस्बे में पेयजल और गंदे व बरसाती पानी निकासी की समीक्षा बैठक में अधिकारियो को दिशा निर्देश दे रहे थे। बैठक में पोस्ट ऑफिस, मैन बाजार, माता वाली और पार्क वाली गली सहित बस स्टैण्ड के पास वाले जोहड़ से गंदे और बरसाती पानी के निकासी के बेहतर प्रबंधो बारे अधिकारियो को दिशा निर्देश दिए। बैठक में सरपंच राजेश कुमार, एसडीओ विक्रम पूनिया, वन राजिक अधिकारी बजरंग तंवर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएलओ एसआईआर कार्य को गंभीरता और निष्ठापूर्वक करें पूरा: महेश कुमार

भिवानी। एसडीएम कम 57-भिवानी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) महेश कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 को लेकर पंचायत भवन में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में ईआरओ ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं सुपरवाइजरों को पुनरीक्षण कार्य की समीक्षाकी और निर्देश दिए कि वे एसआईआर का कार्य पूरी गंभीरता, निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी से करें। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। एसडीएम महेश कुमार ने बीएलओ व सुपरवाईजर को निर्देश देते हुए कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है, इसलिए पुनरीक्षण कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा किसी भी योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से न काटा जाए। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करें और निर्धारित समयावधि में कार्य को पूरा करें। बैठक में एसडीएम ने फॉर्म-6, 7 एवं फॉर्म-8 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इन प्रपत्रों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा जरूरतमंद मतदाताओं तक इन्हें पहुंचाया जाए। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए-2 का भी सहयोग लें, ताकि पुनरीक्षण कार्य अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके। महेश कुमार ने आमजन से भी अपील की कि वे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा अपने नाम, पते या अन्य विवरणों की जांच अवश्य कर लें। उन्होंने बताया कि यदि किसी मतदाता को एसआईआर से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करनी हो तो वे निर्वाचन आयोग के हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क कर सकता है। इसके अलावा 01664-242137 नंबर पर भी संपर्क कर भिवानी विधानसभा क्षेत्र से संबंधित मतदाता सूची पुनरीक्षण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। समीक्षा बैठक में भिवानी विधानसभा क्षेत्र से सभी सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी, जिला निर्वाचन कार्यालय से कानूनगो रामफल सहित सभी बीएलओ व सुपरवाईजर मौजूद रहे।

एकीकृत कृषि प्रणाली किसानों की आय को दोगुना करने का सशक्त माध्यम

भिवानी। कृषि विज्ञान केंद्र तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गांव गिगनाऊ में खेत बचाओ अभियान के तहत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने तथा टिकाऊ खेती अपनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ. ममता फौगाट ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और सीमित भूमि संसाधनों के बीच किसानों की आय बढ़ाने तथा खेती को लाभकारी बनाने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, बागवानी, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों को जोड़कर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने किसानों को मृदा जांच के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि मिट्टी की जांच से उसकी उर्वरता और पोषक तत्वों की सही जानकारी मिलती है। मृदा जांच रिपोर्ट के आधार पर संतुलित एवं वैज्ञानिक तरीके से उर्वरकों का प्रयोग करने से उत्पादन बढ़ता है, लागत कम होती है तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक (सूक्ष्मजीव विज्ञान) डॉ. मीनाक्षी ग्रोवर ने किसानों से जैव उर्वरकों के उपयोग की अपील करते हुए कहा कि इससे उत्पादन लागत कम होने के साथ-साथ मिट्टी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहते हैं।

एसआईआर में बीएलओ का सहयोग करें वोटर

जिले में गणना प्रपत्र प्राप्त करने का काम हुआ शुरू, घर-घर पहुंच रहे बीएलओ : कौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

जिले का प्रत्येक मतदाता निर्वाचन आयोग के निर्देश पर किए जा रहे एसआईआर कार्य में बीएलओ का सहयोग करे ताकि त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने का काम समय पर पूरा किया जा सके। जिला में वितरण के बाद मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना प्रपत्र प्राप्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनदीप कौर ने कहा है कि जिला में इन दिनों मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर 2026) का कार्य जारी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर गणना प्रपत्र वितरण किया जा रहे हैं और बुधवार से मतदाताओं द्वारा भरे गए फार्म प्राप्त करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि बीएलओ जब उनके घर आएं तो सही जानकारी उपलब्ध करवाते हुए पूर्ण सहयोग करें और मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने एसआईआर कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों को गणना प्रपत्र वितरण कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आगामी 14 जुलाई तक भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची को अपडेट बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य चल रहा है। जिला में निरन्तर गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा रहा है।

गणना प्रपत्र वितरण कार्य को करें जल्द

बीएलओ घर-घर जाकर पूरी सजगता के साथ गणना प्रपत्र वितरण का कार्य कर रहे हैं। संबंधित अधिकारी फील्ड स्तर पर इस कार्य को निर्धारित समयावधि में पूरा करवाएं। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई को अर्हता तिथि को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका और कानूनन पात्र प्रत्येक नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने का अधिकार रखता है। उन्होंने एसआईआर कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों को गणना प्रपत्र वितरण कार्य को अति शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रतीक थे डा. मुखर्जी : वीरेंद

- भाजपा जिला कार्यालय में मनाया गया बलिदान दिवस, कार्यकर्ताओं ने लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे का बुलंद राष्ट्रवादी नारा बुलंद करने वाले महान देशभक्त और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर स्थानीय जिला भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने डा. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी डा. मुखर्जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने उस समय जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रधान की व्यवस्था का दृढ़ता से विरोध किया, जब देश की संप्रभुता के सामने बड़ी चुनौतियां थीं। उन्होंने देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दे दिया। उनका यह त्याग और संघर्ष आज भी करोड़ों देशवासियों तथा भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। कौशिक ने कहा कि डा. मुखर्जी के विचार ही आज भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक आधारशिला हैं।

ये रहे मौजूद

इस गरिमामयी अवसर पर पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर विक्रम सिंह, जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, जिला उपाध्यक्ष विशाल जीत सिंह, राजेश जांगड़ा, प्रदीप प्रजापति, अशोक बिडलान एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष, दिनेश वर्मा, अशोक यादव, राकेश मिश्रा जिला मीडिया प्रमुख, विनोद तंवर, लीला, कृष्ण, उमेद, साहिल कालुवासिया, पवन पंघाल एवं पंकज सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

परिवारों के मध्य सेतु का कार्य करेगा श्रीअग्रसेन विवाह प्रकोष्ठः विधायक

बढ़ती अविवाहित युवक-युवतियों की संख्या पर मंथन

- विवाह संबंध स्थापित करवाने में सक्रिय सहयोग की भूमिका अदा करेगा श्रीअग्रसेन विवाह प्रकोष्ठ : सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। कमल भवन धर्मशाला में आपस में चर्चा करते अग्रवाल समाज के लोग।

अग्रवाल समाज के समक्ष अविवाहित युवक-युवतियों की बढ़ती संख्या गंभीर एवं चिंताजनक विषय बनती जा रही है। अनेक युवक एवं युवतियां 30-35 वर्ष तथा उससे अधिक आयु तक विवाह से वंचित रह जाते हैं, जिससे न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि परिवार एवं समाज के लिए चिंतनीय विषय हैं। इस महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श एवं मंथन करने के उद्देश्य से कमला भवन धर्मशाला में विधायक घनश्यामदास सर्राफ की अध्यक्षता में अग्रवाल समाज के लगभग पच्चीस गणमान्य अग्रबंधुओं की विशेष बैठक हुई। बैठक में इस ज्वलंत समस्या के स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान के लिए गहन मंथन किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि समाज के अधिक से अधिक अविवाहित युवक-युवतियों के बायोडाटा एकत्रित किए जाएं, परिवारों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर विवाह संस्कार को समय पर संपन्न करवाने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाए। प्रकोष्ठ समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके परिवारों के मध्य सेतु का कार्य करेगा तथा विवाह संबंध स्थापित करवाने में सक्रिय सहयोग की भूमिका अदा करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया कि श्रीअग्रसेन विवाह प्रकोष्ठ का कार्यालय कमला भवन धर्मशाला में स्थापित किया जाएगा तथा इसका विधिवत संचालन 1 जुलाई से प्रारंभ हो। बैठक में उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने विश्वास जताया कि यह पहल समाज में उक्त समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम सिद्ध होगी।

बैठक में ये रहे मौजूद

दास सर्राफ, बृजलाल सर्राफ, प्रवीण गर्ग, विजयकिशन अग्रवाल, सज्जन कुमार एडवोकेट, सुंदरलाल अग्रवाल, सुरेंद्र जैन एडवोकेट, रामदेव तायल, पवन गोयल, नरेश गर्ग ढिगावावाले, सुरेश बंसल, दीपक गर्ग, राजकुमार लालावासिया, सुभाषचंद्र जैन, नत्थूराम केड़िया, रविंद्र भगनका, संजय खिचुका, नरेश बंसल, नरेश मित्तल, मनोज रामपुरिया, विष्णु घीवाले, ललित लोहिया, बजरंग बहलिया, सुमित खेमका व पुलकित सिंगला आदि उपस्थित थे। वहीं विवाह योग्य बच्चों के अभिभावकों से भी आग्रह किया जाए कि वे उचित एवं योग्य प्रस्तावों पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। इस पुनीत कार्य को व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए श्रीअग्रसेन विवाह प्रकोष्ठ के गठन का सर्वसम्मति से निर्णय लिया ।

अंधड़ से पेड़ व बिजली के गिरे पोल, सड़क हुई अवरूद्ध, बिजली की सप्लाई कटी

कई घंटों तक नहीं हुए बिजली के दर्शन, लोग हुए परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बुधवार को आए तेज आंधी से पेड़ और बिजली के पोल जा गिरे। सड़क किनारे खड़े पेड़ गिरने से बहल से निकलने वाले लोहारू और भिवानी सड़क मार्ग काफी देर तक प्रभावित रहा। वही, बिजली पोल गिरने से क्षेत्र में बिजली व्यवस्था चरमरा गई। आंधी और तेज बारिश से जिन खेतों में बिजाई हो चुकी थी, उनमें भी नुकसान हुआ है। बुधवार को दिन में अचानक से मौसम का मिजाज बदल गया। कुछ देर धूल भरी आंधी चलने के बाद आंधी ने तूफान का रूप ले लिया और सब कुछ धूल धूल हो गया। आसमान में चढ़ी आंधी से दिन में अंधेरा सा छा गया। दुकानों के आगे व घरों में लगे टीन शेड, छप्पर, साइन बोर्ड दूर तक जा गिरे। अनेक जगहों पर सड़क किनारे व खेतों में खड़े पेड़ जमीन पर जा गिरे। पेड़ गिरने से बहल से भिवानी, बहल से लोहारू मार्ग पूरी तरह से जाम हो गया। सबसे ज्यादा नुकसान बहल से सिरसी गांव के बीच हुआ जहां करीब तीन किमी तक की दूरी में दस से ज्यादा पेड़ गिर गए।

बहल। अंधड़ से बहल-लोहारू रोड पर गिरे हरे पेड़। फोटो: हरिभूमि

भिवानी में धूल भरी अंधड़ से हुई परेशानी

बुधवार दोपहर बाद अचानक तेज धूल भरी आंधी आने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। एक बार अंधड़ की वजह से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। उसके बाद हलकी बूंदाबांदी आई तो धूल भरी आंधी से थोड़ी सी राहत मिली। करीब दस मिनट तक अंधड़ से लोगों को भंयकर समस्या का सामना करना पड़ा। हलकी बूंदाबांदी के बाद लोगों को धूल भरी आंधी से राहत मिली।

अनेक स्थानों पर बिजली के पोल गिरे

वही, आंधी से अनेक स्थानों पर बिजली के पोल गिर गए। जिससे बिजली आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो गई। बिजली निगम द्वारा अलग अलग टीमें बनाकर कर्मचारियों को नुकसान का आंकलन करने के लिए भेजा गया है। बुधवार की बारिश के बाद अब किसानों को कपास, ग्वार, बाजरा, मूंग सहित अन्य फसलों की बिजाई फिर से करनी पड़ेगी। पिछली बारिश के बाद अधिकतर किसानों ने फसलों की बुवाई कर दी थी। किसान महेंद्र, सुरेश, पवन सहित अन्य किसानों ने बताया कि फसल बोने के साथ ही उन पर यह आपदा आ गई है। दस दिन के अंदर जिन फसलों की बुवाई हुई है, वहां बारिश के बाद जमीन कठोर होने से दाने के अंकुरित होने की कोई उम्मीद नहीं है।

खबर संक्षेप

भिवानी। राकेश भैराणिया को सम्मानित करते म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के सदस्य।

राकेश भैराणिया को मिला हरियाणा गौरव रत्न अवार्ड

भिवानी। म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन द्वारा हाल ही में सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद आश्रम में आयोजित कार्यक्रमों में अपना बेहतरीन प्रदर्शन करने पर अंतरराष्ट्रीय कलाकार राकेश भैराणिया को मुख्यतिथि कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने हरियाणा गौरव रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने अंतरराष्ट्रीय कलाकार राकेश भैराणिया का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अपनी रागनियों के माध्यम से युवा पीढ़ी को हरियाणवी संस्कृति से अवगत करवाने का काम कर रहे हैं, ये हमारे लिए गौरव की बात है।

महिलाओं के लिए लाभकारी व्यक्तिगत ऋण योजना

चरखी दादरी। अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबुलाल करवा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यक्तिगत ऋण योजना शुरू की गई है। योजना के तहत बैंकों के माध्यम से एक लाख रुपये तक का ऋण दिलवाने की व्यवस्था की जाती है, जिससे महिलाएं खुद का कार्य शुरू करके आत्मनिर्भर बन सकती है। एडीसी ने बताया कि योजना के अंतर्गत हरियाणा महिला विकास निगम के द्वारा महिलाओं को सब्सिडी प्रदान की जाएगी। हरियाणा महिला विकास निगम के जिला प्रबंधक राजकुमार ने बताया कि इस योजना के तहत जिला भिवानी व दादरी के लिए 2026-2027 में 124 केसो का लक्ष्य रखा गया है।

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अवैध कोचिंग अकादमियों पर कार्रवाई करे प्रशासन: शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष रामावतार शर्मा ने आज भिवानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की. पत्रकारों को संबोधित करते हुए एसोसिएशन ने लखनऊ अग्निकांड में मारे गए सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की. इसके साथ ही, रामअवतार शर्मा ने भिवानी जिला प्रशासन से यह सवाल किया कि कोचिंग अकडेमियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए क्या भिवानी जिला प्रशासन और इसके अधिकारी लखनऊ अग्निकांड जैसी कोई दुर्घटना होने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन पिछले 5 सालों से लगातार शहर में अवैध रूप से चल रही कोचिंग एकेडमियों के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं। करीब डेढ़ महीना पहले इन अकडेमियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एसोसिएशन ने भिवानी जिले के सभी प्राइवेट स्कूल बंद करके जिला लघु सचिवालय के सामने धरना दिया था. जिला उपायुक्त ने कोचिंग अकडेमियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए आदेश भी जारी कर दिया था कि जिले में अवैध रूप से चल रही कोचिंग अकादमी को सील किया जाए। कार्रवाई के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करके पूरी टीम बना दी गई थी जो जाकर इन अकडेमियों को सील करने वाली थी. जिला प्रशासन के इसी आश्वासन पर एसोसिएशन ने उस दिन अपना धरना समाप्त किया था, लेकिन आज डेढ़ महीना से ऊपर गुजर जाने के बाद भी पता नहीं किसी दबाव में जिला प्रशासन ने यू टर्न लिया और आज तक अवैध रूप से चल रही अकादमी के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं है।

पदक विजेताओं को बैठाया पलकों पर, निकाला स्वागत जुलूस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बहल क्षेत्र के गांव सुरपुरा खुर्द से निक्कू कड़वासरा, तोशाम से सुखबीर और सोरडा से वीरेश ने दूसरे साउथ एशियन थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2026 में 3 स्वर्ण पदक जीतकर देश, हरियाणा और भिवानी जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। रांची के हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित द्वितीय साउथ एशियन थ्रोबॉल चैंपियनशिप-2026 में महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्णिम सफलता अर्जित की। निक्कू ने भारतीय महिला टीम की सदस्य के रूप में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं विरेश और सुखवीर ने भारतीय पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया तथा स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगे की शान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

बहल। पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सेक्टर 13 क्षेत्रवासी बरसाती पानी, सीवर सफाई व बिजली समस्या से परेशान

- सेक्टर-13 में पेयजल संकट को लेकर नप के पूर्व चेयरमैन ने किया जलघर का निरीक्षण
- हुडा अधिकारियों की कार्रवाई से जगी आस, ईडब्ल्यूएस के घरों तक जल्द पहुंचेगा पर्याप्त पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सेक्टर-13, न्यू हाउसिंग बोर्ड, ईडब्ल्यूएस व वीकर सेक्शन क्षेत्रों में लंबे समय से पेयजल समस्या बनी हुई थी, जिसके स्थायी समाधान की दिशा में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। 15 जून को सौंपे ज्ञापन पर हुई प्रगति का जायजा लेने के लिए बुधवार को नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन विजय पंचगांवा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जलघर का जायजा लिया, जिसके बाद राहत की उम्मीदें जगी हैं। इस दौरान अधिकारियों व कर्मियों से मिले आधिकारिक आंकड़ों ने साफ कर दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता और प्रेशर बढ़ाने को युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। जलघर के निरीक्षण के दौरान पूर्व चेयरमैन पंचगांवा ने बताया कि पूरे क्षेत्र के लिए भूमिगत जल के केवल तीन बोरवेल काम कर रहे थे, जो बढ़ती मांग के मुकाबले नाकाफी थे। हाल ही में चौथे बोरवेल को पूरी तरह चालू किया है तथा पांचवें बोरवेल को जोड़ने का काम अंतिम चरण में है और ये जल्द ही चालू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तीन मोटरें सुचारू रूप से चल रही हैं और जलापूर्ति को और अधिक बल देने के लिए चौथी मोटर को भी जल्द एक्टिवेट कर दिया जाएगा। पंचगावा ने बताया कि नई व्यवस्था और बुस्टिंग रिपेयर का सबसे बड़ा फायदा हुडा सेक्टर-13 के वीकर सेक्शन और ईडब्ल्यूएस ब्लॉक को मिलेगा, जहां पानी का प्रेशर बेहद कम था।

भिवानी। सेक्टर के जलघर परिसर में भूमिगत जल के बोरवेल का निरीक्षण करते पूर्व चेयरमैन विजय पंचगांवा व अन्य।

प्रॉपर्टी आईडी का स्वयं सत्यापन करें लोग, नहीं तो हो सकती है परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिला नगर आयुक्त हरबीर सिंह ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपनी संपत्तियों की प्रॉपर्टी आईडी का स्वयं सत्यापन अवश्य करें। सरकार द्वारा शहरी क्षेत्र की सभी संपत्तियों का सर्वे करवाकर उन्हें एनडीसी पोर्टल पर ऑनलाइन किया गया है, ताकि नागरिक अपनी संपत्ति संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक नागरिक अपनी प्रॉपर्टी आईडी की पहचान कर उसे स्वयं सत्यापित करते हुए लॉक करें, जिससे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उसमें छेड़छाड़ न की जा सके। प्रॉपर्टी आईडी सत्यापित होने पर संपत्ति से संबंधित सूचनाएं और सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न छूटों का लाभ भी समय-समय पर मोबाइल संदेशों के माध्यम से प्राप्त होता रहेगा। हरबीर सिंह ने कहा कि यदि किसी प्रॉपर्टी आईडी में किसी प्रकार की त्रुटि है तो नागरिक एनडीसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर उसे ठीक करवा सकते हैं। सत्यापन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर नगर परिषद कार्यालय की गृहकर शाखा में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद भिवानी द्वारा एम/एस जीआईएस टेक एंटरप्राइजेज, गाजियाबाद एजेंसी के माध्यम से भी यह कार्य कराया जा रहा है। एजेंसी के अधिकृत कर्मचारी घर-घर और वार्ड स्तर पर जाकर नागरिकों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से इन कर्मचारियों को सहयोग देने तथा अपनी प्रॉपर्टी आईडी का सत्यापन शीघ्र करवाने का आग्रह किया।

हरियाणा में आधारभूत शिक्षा को मिला नया बल

बवानीखेड़ा। हरियाणा सरकार के विद्यालय शिक्षा विभाग तथा टाटा न्यास के सहयोग से भाषा एवं अधिगम प्रतिष्ठान द्वारा हिमाचल प्रदेश के कसौली में आयोजित तीन दिवसीय निपुण 2.0 नेतृत्व सम्मेलन के दौरान हरियाणा राज्य स्तरीय शिक्षण एवं अधिगम व्यवहार सर्वेक्षण-2025 के प्रतिवेदन का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अनेक वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतिवेदन का विमोचन राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा हरियाणा स्वप्निल रविंद्र पाटिल, प्रेरक वक्ता, लेखक एवं पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी विवेक अत्रे, विद्यालय शिक्षा निदेशालय पंचकूला के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के संस्थापक डॉ. स्नोरे वेस्टगार्ड तथा टाटा न्यास के शिक्षा विभाग की परामर्शदाता डॉ. शैलजा मेनन की उपस्थिति में किया गया।

हरियाणा खेल नीति में योगासन शामिल होने पर भिवानी के योग साधकों में भारी उत्साह

- योगासन के खेल नीति में शामिल होने से खुलेंगे युवाओं के लिए प्रगति के द्वार : डॉ. मदन मानव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में की गई ऐतिहासिक और दूरदर्शी घोषणाओं का योगासन भिवानी ने पुरजोर स्वागत किया है। एसोसिएशन ने योगासन खेल के उत्थान और इसे हरियाणा की खेल नीति में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। भिवानी योगा स्टूडियो के संचालक बंटी मेघवाल और योगासन भिवानी की मीडिया डायरेक्टर भावना वर्मा लेघां ने संयुक्त बयान में बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समारोह में स्वयं योगाभ्यास कर प्रदेशवासियों को योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का प्रेरणादायी संदेश दिया है। कार्यक्रम में 16 मित्र देशों के युवाओं की सहभागिता ने योग की वैश्विक स्वीकार्यता तथा भारत की वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

भिवानी। योगासन खेल नीति में शामिल करने पर खुशी जताते हुए। फोटो: हरिभूमि

योजनाओं को फलीभूत करने में आमजन को करना होगा प्रेरित

- केंद्रीय नीति आयोग की टीम ने बाढ़ड़ा उपमंडल का किया दौरा

चरखी दादरी। केंद्रीय नीति आयोग की और से बाढ़ड़ा उपमंडल में चल रही विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की, जिसकी अध्यक्षता लघु सचिवालय हाल में डिपार्टमेंट ऑफ कामर्स की डायरेक्टर मोनिका गौड़ ने की। इस मौके पर सीओईओ प्रदीप अहलावत, बीडीपीओ दीपक शर्मा भी उपस्थित रहे। मोनिका गौड़ ने आकांक्षी ब्लाक की विभिन्न विभागों के 39 केपीआई जो मुख्य रूप से इन पांच विभागों हेल्थ एवं न्यूट्रीशन, शिक्षा, आधारभूत ढांचा, कृषि एवं संबंधित कार्य, सामाजिक विकास पर चर्चा की और परियोजनाओं के बारे में जानकारी लेते हुए जरूरी दिशा निर्देश जारी किए। गौड़ ने कहा कि हर योजना तक आमजन की पहुंच होनी चाहिए, ताकि लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

भिवानी के प्रिंस रेमो को मिले दो राष्ट्रीय सम्मान

- कला एवं फिटनेस के क्षेत्र में चमका भिवानी के प्रिंस रेमो का नाम, दो राष्ट्रीय सम्मान मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

खेल व शिक्षा के क्षेत्र के लिए विश्वभर में अपनी पहचान स्थापित करने वाला भिवानी अब मनोरंजन, कला व फिटनेस के क्षेत्र में सराहनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसी कड़ी में मनोरंजन, कला और फिटनेस की दुनिया में अपनी अनूठी पहचान बनाने वाले प्रिंस रेमो के नाम बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है, उन्हें देश के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दो प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है तथा उनके बहुमुखी कौशल और समाज को प्रेरित करने वाले कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। भारत वैभव फाउंडेशन ने प्रिंस रेमो को भारत श्रीसम्मान से विभूषित किया है। यह प्रमाण पत्र उन्हें पेशेवर डांसर और कोरियोग्राफर के रूप में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए मिला हैं।

भिवानी। डांसर एवं कोरियोग्राफर प्रिंस रैमो। फोटो: हरिभूमि

कांस्य पदक विजेता हिमांशी जांगड़ा का किया स्वागत

- हिमांशी ने शूटिंग स्पर्धा में जीता पदक, समाज ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

खेल नगरी के नाम से मशहूर भिवानी के बेटे-बेटियों ने समय-समय पर विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर न केवल क्षेत्र, बल्कि प्रदेश व देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमकाने का काम किया है। इसी कड़ी में भिवानी की हिमांशी जांगड़ा ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की शूटिंग पिस्टल स्पर्धा में देश के लिए कांस्य पदक हासिल किया है। पदक विजेता बेटी हिमांशी का खेलप्रेमियों ने ढ़ाणा रोड स्थित उनके निवास पर पहुंचकर सम्मान किया तथा हिमांशी की उपलब्धि को अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। कबड्डी पैराओलंपिक एसोसिएशन ने हिमांशी को स्मृति चिह्न और शॉल भेंट कर स्मृति स्वरूप सम्मानित किया।

भिवानी। हिमांशी जांगड़ा को सम्मानित करते जांगड़ा समाज के लोग।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कॉलोनी में सीवर व पानी का भी अभाव, विधायक व नप पर भेदभाव का लगाया आरोप

हुनामल प्याऊ के पीछे कॉलोनी की कच्ची गलियों और अन्य समस्याओं को लेकर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हुनामल प्याऊ के पीछे संजय मैमोरियल कॉलेज के नजदीक कॉलोनी में कच्ची गलियों, सीवर व पानी की व्यवस्था न होने के चलते कॉलोनीवासियों ने रोष जताया। कॉलोनीवासियों ने विधायक सर्राफ व नप प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाया।

क्षेत्रवासियों ने कहा कि बारिश के दिनों में कॉलोनी की सभी कच्ची गलियों में पानी भर जाता हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। कालोनीवासियों ने आरोप लगाया कि उक्त कालोनी में सीवरेज, पानी व पक्की गलियों का अभाव हैं, जिससे आमजन परेशान हैं। कॉलोनीवासियों ने लम्बे समय तक इंतजार करने के बाद तंग होकर विधायक सर्राफ व नप प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और जमकर रोष जताया। कॉलोनीवासियों ने जनसंघर्ष समिति के संयोजक व माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश के नेतृत्व में प्रदर्शन किया और कच्ची गलियों के हालात व नागरिकों को हो रही परेशानियों से अवगत करवाया।

उन्होंने विधायक सर्राफ व नगर परिषद चैयरपर्सन प्रतिनिधि व नप प्रशासन से मांग की कि डी प्लान के तहत वे इन गलियों का शीघ्र निर्माण करवाएं, क्योंकि बरसात के मौसम में कच्ची गलियों में अत्याधिक पानी भर जाता हैं, जिससे नागरिकों का घरों से निकलना तक बंद हो जाता है। वहीं कॉलोनी के बच्चे स्कूल भी नहीं जा पाते।

भिवानी। कच्ची गलियों को पक्का करवाने की मांग को लेकर नारेबाजी करते जनसंघर्ष समिति के सदस्य व क्षेत्रवासी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कॉलोनीवासियों ने बताया कि विधायक कई बार आश्वासन दे चुके हैं कि वे शीघ्र इन गलियों को बनवाएंगे, लेकिन आजतक कोई समाधान नहीं हो पाया हैं। कॉलोनीवासियों ने विधायक सर्राफ को चेतावनी दी कि उनकी मांगों की उपेक्षा ऐसे ही जारी रखी तो वे उनके कैंप ऑफिस का घेराव करने पर मजबूर होंगे। प्रदर्शन में माकपा नेता कामरेड ओमप्रकाश, किसान नेता रामफल देशवाल, प्रताप सिंहमार, क्षेत्रवासी विकास दहिया, पवन प्रजापत, अशोक, कालू, शीला, बबीता, सुलोचना, भत्तर, रवीना व संतरा आदि मौजूद रहे।

सरपंच एसो. ने जिले के प्रशासनिक अधिकारियों से की मुलाकात

बाढड़ा। जिले की पंचायत समितियों के चेयरमैन व सरपंच एसोसिएशन पदाधिकारियों की कमेटी ने जिला प्रशासन द्वारा जिले में संचालित विकास योजनाओं में प्रयोग होने वाली निर्माण सामग्री की दरों में कमी का मुद्दा उठाया। अधिकारियों ने जल्द ही समाधान करने का भरोसा दिया। सरपंच एसोसिएशन अध्यक्ष सूबेदार रामचंद्र उमरवास ने कहा कि आज उनकी अगुवाई में जिले के पंचायत प्रतिनिधियों ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। परचेज कमेटी द्वारा जो दरें तय की गई थी वह अन्य जिलों व स्थानीय स्थिति के अनुसार बहुत ही कम थे और उसके बाद विकास योजनाओं के लिए बजट आने के बावजूद काम शुरु नहीं हुआ।